

---

# Sharadabhujangaprayatashtakam

शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टकम्

## Document Information

---

Text title : shaaradaabhujangaaprauaataashhTakaM

File name : shaaradaabhujanga.itx

Category : devii, sarasvatI, bhujanga, shankarAchArya, devI, aShTaka

Location : doc\_devii

Author : Popular stotra

Transliterated by : Savithri D. savdev at hotmail.com

Proofread by : Savithri D. savdev at hotmail.com

Latest update : June 24, 2000

Send corrections to : Sanskrit@cheerful.com

---

This text is prepared by volunteers and is to be used for personal study and research. The file is not to be copied or reposted without permission, for promotion of any website or individuals or for commercial purpose.

**Please help to maintain respect for volunteer spirit.**

---

Please note that proofreading is done using Devanagari version and other language/scripts are generated using **sanscript**.

---

August 21, 2020

*sanskritdocuments.org*

---

---

# Sharadabhujangaprayatashtakam

---

## शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टकम्

---



सुवक्षोजकुम्भां सुधापूर्णाकुम्भां  
प्रसादावलम्बां प्रपुण्यावलम्बाम् ।  
सदास्थेन्दुभिम्बां सदानोष्ठभिम्बां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ १ ॥

कटाक्षे दयार्द्रां करे ज्ञानमुद्रां  
कलाभिर्विनिद्रां कलापैः सुभद्राम् ।  
पुरस्त्रीं विनिद्रां पुरस्तुङ्गभद्रां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ २ ॥

ललामाङ्कुलां लसद्गानलोलां  
स्वभक्तैकपालां यशःश्रीकपोलाम् ।  
करे त्वक्षमालां कन्तप्रललोलां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ ३ ॥

सुसीमन्तवेर्णीं दृशा निर्जितैर्णीं  
रमतीरवाणीं नमद्भ्रजपाणीम् ।  
सुधामन्थरास्यां मुद्या चिन्त्यवेर्णीं  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ ४ ॥

सुशान्तां सुदेलं दृगन्ते कथान्तां  
लसत्सल्लताङ्गीमनन्तामचिन्त्याम् ।  
स्मरेत्तापसैः सङ्गपूर्वस्थितां तां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ ५ ॥

कुरङ्गे तुरङ्गे भृगेन्द्रे षगेन्द्रे  
मराले मदेले मलोक्षेऽधिऋढाम् ।  
मलत्यां नवम्यां सदा सामरुपां  
भजे शारदाम्बामजस्रं मद्यम्बाम् ॥ ६ ॥

ज्वलत्कान्तिवह्निं जगन्भोडनाङ्गीं  
भजे मानसाम्भोजसुभ्रान्तभुङ्गीम् ।  
निजस्तोत्रसङ्गीतनृत्यप्रभाङ्गीम्  
भजे शारदाम्भामजस्रं मद्यम्भाम् ॥ ७ ॥

भवाम्भोजनेत्राजसम्भूज्यमानां  
लसन्मन्दसाप्रभावङ्गत्रयिहाम् ।  
यलस्यञ्चलायारुताटङ्कुकर्णां  
भजे शारदाम्भामजस्रं मद्यम्भाम् ॥ ८ ॥

धृति श्रीमत्परमहंसपरिव्राजकाचार्यस्य  
श्रीगोविन्दभगवत्पूज्यपादशिष्यस्य  
श्रीमच्छङ्करभगवतः कृतौ  
शारदाभुजङ्गप्रयाताष्टक सम्पूर्णम् ॥

Savithri D savdev at hotmail.com

---

—  
*Sharadabhujangaprayatashtakam*  
pdf was typeset on August 21, 2020  
—

Please send corrections to [sanskrit@cheerful.com](mailto:sanskrit@cheerful.com)

